|  |
| --- |
| 06. April 2025 |
| **5. Fastensonntag C Misereor-Sonntag** |
| Erste Lesung: Jes 43,16-21; Zweite Lesung: Phil 3,8-14; Evangelium: Joh 8,1-11 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 273, 1-4  | O Herr, nimm unsre Schuld |
|  | GL 267, 1 | O Mensch, bewein dein Sünde groß |
|  | GL 277, 1+4  | Aus tiefer Not |
|  | GL 272, 1+3 | Zeige uns, Herr |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 5 | Herr Jesus, auferstanden von den Toten |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 126,1-6 |  |
|  | Kehrvers: GL 323 oder | Du hast mein Klagen |
|  | Kehrvers: GL 443 | Im Jubel ernten |
|  | Oder |  |
|  | GL 457, 1-3 | Suchen und fragen |
|  |  |  |
| Ruf v. d. Evangelium: | Ruf: GL 584, 9 oder GL 560, 1 oder GL 644, 6 |
|  |  |
|  | *Kehrt um zum Herrn von ganzem Herzen;* |
|  | *Denn er ist gnädig und barmherzig,* |
|  | *langmütig und reich an Güte.* |
|  |  |
|  |  |  |
| Credo: | GL 178, 1+2 | Amen. Ich glaube |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 460 | Wer leben will |
|  | GL 210 | Das Weizenkorn |
|  | GL 422, 2+3 | Von Zweifeln ist mein Leben übermannt |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 196 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 747  | Gottes Lamm |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 268, 1+3+5 | Erbarme dich, erbarm dich mein |
|  | GL 359 | O selger Urgrund |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 746, 1+3+6  | Dich liebt, o Gott, mein ganzes Herz |
|  | GL 471, 1+4  | O ewger Gott |
|  | (Alternativmelodie: GL 142) |  |